HINDI

(Maximum Marks : 100)

(Time allowed : Three hours)

*(Candidates are allowed **additional 15 minutes** for **only** reading the paper. They must NOT start writing during this time.)*

---

*Answer questions **1, 2** and **3** in Section **A** and **four** other questions from Section **B** on at least **three** of the prescribed textbooks.*

*If you answer **two** questions on any **one** book, do not base them both on the **same** material.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION A

1. Write a composition in Hindi in approximately 400 words on any ONE of the topics given below :— [20]

निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग **400** शब्दों में **हिन्दी** में निबन्ध लिखिए :—

(a) "भूकम्प प्रकृति का वह विनाशकारी रूप है जिसकी कल्पना भी मनुष्य-मन को चोट पहुँचाती है।" — इस कथन को ध्यान में रखते हुए उस समय का वर्णन कीजिए जब आपके नगर में भूकम्प आया, उसका आम जन जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा ? आपने तथा आपके साथियों ने राहत कार्यों में क्या योगदान दिया। विस्तार से लिखिए।

(b) अपराधी को नहीं बल्कि अपराध को समाप्त करने से एक मज़बूत राष्ट्र तैयार होता है। इस विषय के पक्ष या विपक्ष में अपने विचार लिखिए।

(c) "बालश्रम समाज पर एक अभिशाप है।" इस विषय को ध्यान में रखते उन बच्चों की जरूरतों और मजबूरियों पर एक प्रस्ताव लिखिए।

(d) 'अहंकार से वृद्धि रुक जाती है।' इस विचार को अपने जीवन की घटना के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(e) 'योग' स्वस्थ जीवन का आधार—विवेचन कीजिए।

(f) निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** पर मौलिक कहानी लिखिए :—

(i) कहानी का अन्तिम वाक्य होगा .....

इस घटना ने मेरा हृदय परिवर्तन कर दिया।

(ii) 'जहाँ चाह वहाँ राह'। कहावत को आधार बनाकर एक कहानी लिखिए।

This Paper consists of 4 printed pages.

© *Copyright reserved.*

2. Read the following passage and briefly answer the questions that follow :—

निम्नलिखित अवतरण को पढ़कर, अन्त में दिए गए प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए :—

विनम्रता तथा सरलता ऐसे गुण हैं जो हमें सच्चे अर्थों में मनुष्य बनाते हैं। विनम्रता मानव को उसके दिव्य स्वभाव से जोड़ती है। उसे दूसरों के प्रति सहृदय बनाती है। वह सरलता से प्रेरित होकर विपत्ति में पड़े मनुष्यों की मदद करता है। स्वयं अभाव में रहकर भी दूसरों की यथासंभव सहायता करता है। विनम्र व्यक्ति की वाणी बड़ी मधुर होती है। इनके मृदुवचन मन की कटुता को समाप्त करते हैं। वाणी की मिठास के कारण इनके अनेकानेक मित्र बन जाते हैं। लोग इस प्रकार के व्यक्तियों से चाहे जितने भी क्रोध में बात करें, विनम्रता का जादू क्षणभर में क्रोध को शांत कर देता है। अत: इस प्रकार विनम्रता बड़ी सहजता से क्रोध जैसे बड़े मनोविकार पर भी विजय प्राप्त कर लेती है। ये व्यक्ति समाज के लिए मार्गदर्शक बन जाते हैं। इनकी सरलता में जो स्वाभाविकता होती है वह लोगों को सहज ही अपनी ओर आकर्षित करती है। इनका अनुकरण करने का प्रयास सभी करते हैं। जिससे वे भी विनम्रता क़ो अपने जीवन में अपनाकर अपना जीवन सफल बना सकें। ईर्ष्या, द्वेष, घृणा जैसे मनोविकार को पराजित कर पाएं।

अनेक महान विभूतियों का जीवन सरलता तथा विनम्रता का प्रत्यक्ष उदाहरण है। विश्व-प्रसिद्ध दार्शनिक सुकरात शक्ल से अत्यंत ही कुरूप थे। एकदिन अकेले में वे दर्पण हाथ में लेकर अपना मुंह देख रहे थे, तभी उनका प्रिय शिष्य आया और सुकरात को दर्पण देखता पाकर बहुत आश्चर्य में पड़ गया। वह कुछ बोला नहीं मात्र मुस्कराने लगा। सुकरात ने उससे कहा "शायद तुम सोच रहे हो कि मुझ जैसा असुंदर व्यक्ति आखिर शीशा क्यों देख रहा है ?" सुकरात ने उसे समझाया "वत्स शायद तुम नहीं जानते कि मैं यह शीशा क्यों देखता हूँ ? मैं कुरूप हूँ। इसलिए प्रतिदिन शीशा देखता हूँ। शीशा देखकर मुझे अपनी कुरूपता का ज्ञान होता है। मैं अपने रूप को जानता हूँ। इसलिये प्रतिदिन प्रयत्न करता हूँ कि ऐसे, कि ऐसे अच्छे कार्य करुँ जिनसे मेरी यह कुरूपता ढक जाए।" यह सरलता शिष्य के हृदय को छू गई। उसे गहरा जीवन दर्शन बड़ी आसानी से उसके गुरु ने सिखा दिया।

हमें भी अपने जीवन में इस अच्छे गुण को अपनाना चाहिए। यह एक बहुत बड़ी शक्ति है। इससे हम अपने केन्द्र से जुड़ते हैं। हमारी जीवनदृष्टि विशाल तथा भव्य बनती है। हम मानवता को नई ऊँचाई प्रदान करते हैं। हमारी विनम्रता तथा सरलता एक स्वस्थ समाज को जन्म देती है।

प्रश्न :—

(a) विनम्रता किस प्रकार मनुष्य के स्वभाव को दिव्यता प्रदान करती है ? [4]

(b) सरल तथा विनम्र मनुष्यों की वाणी की विशेषता तथा प्रभाव का वर्णन करें। [4]

(c) सामान्य लोग सरल और विनम्र लोगों का अनुसरण करने का प्रयास क्यों करते हैं ? [4]

(d) सुकरात की प्रतिदिन शीशा देखने वाली घटना का वर्णन अपने शब्दों में कीजिये। [4]

(e) इस गद्यांश से आपको क्या शिक्षा मिलती है ? [4]

3. (a) **Correct the following sentences :—** [5]

निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :—

(i) मुझे आपसे अनेकों बात करनी हैं।

(ii) हमें अपनी मातृभूमि पर अहंकार है।

(iii) मेरी बात राकेश हँसी से टाल गया।

(iv) जो काम करो वह पूरा जरूर करो।

(v) यह सारा कार्य मैंने करा है।

(b) **Use the following idioms in sentences of your own to illustrate their meaning :—** [5]

निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ स्पष्ट करने के लिए वाक्यों में प्रयोग कीजिए :—

(i) आँच न आना।

(ii) कान खड़े होना।

(iii) घी के दीये जलाना।

(iv) चेहरे का रंग उड़ना।

(v) राई का पहाड़ बनाना।

SECTION B

काव्य-तरंग

4. कबीरदास के काव्य का विषय क्या था ? उन्होंने अपनी कविता में क्या संदेश दिया है ? [12½]

5. 'सीधी रखते अपनी रीढ़' पंक्ति का भाव स्पष्ट करते हुए बताइये कि 'मैं हूँ उनके साथ' कविता के अनुसार किस प्रकार के लोगों को सफलता प्राप्त होती है ? [12½]

6. 'ओ नभ में मँडराते बादल' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि कवि बादल से क्या आग्रह कर रहा है ? बताइये कि वर्षा के अभाव में मानव-जीवन को तथा प्रकृति को किन-किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है ? [12½]

निर्मला

7. "ईश्वर को मंजूर ही नहीं था यह लक्ष्मी मेरे घर आती, नहीं तो क्या यह वज्र गिरता।" — यह किसने, किस अवसर पर कहा ? पूरे घटनाक्रम पर प्रकाश डालिए। [12½]

8. "मंसाराम अपने सिद्धान्तों पर चलने वाला युवक है, जिसके कारण वह जीवन भर कष्ट भोगता है।" इस कथन के आधार पर मंसाराम का चरित्र-चरित्र कीजिए। [12½]

9. "गाँव में फैले अंधविश्वास के कारण ही सुधा को अपने बेटे से हाथ धोना पड़ा।" किस प्रकार ? सम्पूर्ण घटना का विस्तृत वर्णन कीजिये। [12½]

कथा-सुरभि

10. 'मधुआ' कहानी में शराबी ठाकुर के पास क्यों जाता था ? मधुआ शराबी को कहाँ मिला ? मधुआ के दायित्व ने शराबी के जीवन को किस प्रकार बदल दिया ? [12½]

11. 'लक्ष्मी का वाहन' कहानी में लेखक ने किस प्राचीन मिथक के टूटने की बात कही है, और क्यों ? अपने शब्दों में कहानी के आधार पर उत्तर दें। [12½]

12. 'धरती अब भी घूम रही है' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए, तथा शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिये। [12½]

ज्वालामुखी के फूल

13. महामात्य शकटार को परिवार सहित कारावास में किसने और क्यों डाल दिया ? इस समाचार को सुनकर मंत्रिपरिषद के सदस्यों की क्या प्रतिक्रिया हुई ? आमात्य राक्षस ने उन्हें किस प्रकार से समझाया और क्या सुझाव दिया ? संक्षेप में समझाइए। [12½]

14. "सम्राट महापद्म नंद जितना वीर और कुशल योद्धा था, सम्राट सर्वार्थसिद्धि उतना ही कायर।" इस उक्ति के आधार पर दोनों के चरित्र की तुलना कीजिए। [12½]

15. "पाटलिपुत्र तो सुरक्षित है न आर्य राक्षस ? सम्राट के इस प्रश्न से काँप कर राक्षस ने कठिन स्वर में उत्तर दिया, इस नगरी की रक्षा का भार तो अब देवताओं पर ही है सम्राट !" पाटलिपुत्र को क्या खतरा है ? राक्षस ने सम्राट् के प्रश्न का उत्तर इस प्रकार से क्यों दिया ? विस्तार से लिखिए। [12½]